झारखण्ड राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक महासंघ

मेधा दुग्धवाणी

अंक : 8 अक्टूबर-दिसम्बर 2018

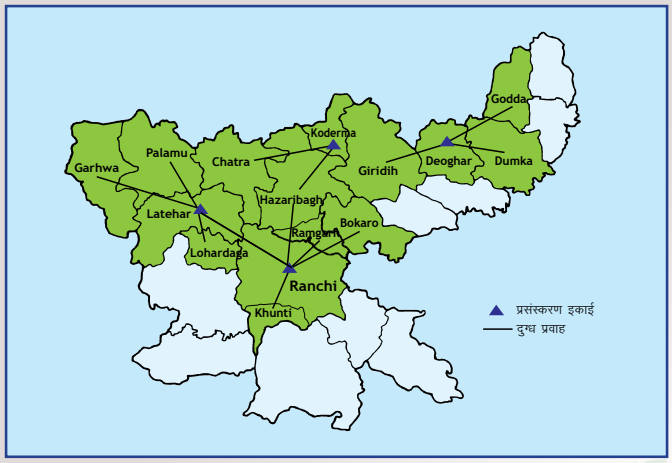

प्रिय पाठकगण,

झारखण्ड राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक महासंघ की ओर से आप सभी दुग्ध उत्पादकों को नव वर्ष की हार्दिक शुभकामनायें।

जैसा कि हम सभी जानते है कि डेयरी एक सफल और लाभकारी व्यवसाय के रूप में स्थापित है और दुग्ध उत्पादकों की आमदनी को बढ़ाने वाला सफल माध्यम है। डेयरी की सतत प्रगति व उन्नति के लिए नई तकनीक और प्रौद्योगिकी का समावेश आवश्यक है। साथ ही यह भी आवश्यक है कि दुग्ध उत्पादकों को उनके दूध की बिक्री हेतु एक स्थिर बाजार उचित मूल्य पर उपलब्ध हो सके।

हमारे प्रदेश में दूध उत्पादन का अधिकांश भाग छोटे और सीमांत पशुपालकों द्वारा दिया जाता है इसलिए हमारा प्रयास होता है कि हम उनके द्वारा एम.पी.पी. में लाये गये दूध की समय से प्राप्ति करें और गुणवत्ता के आधार पर उसकी सही कीमत मिले। इसके साथ प्रत्येक 10 दिन में उनके खाते में भुगतान करके एक सुदृढ़ दूध आपूर्ति व्यवस्था को जारी रखें। दूध और दूध उत्पादों जैसे दही, पनीर, घी, लस्सी, मिस्टी दही इत्यादि को पर्याप्त मात्रा में आम जनता को उपलब्ध कराने के लिए मेधा डेयरी में प्रसंस्करण, पैकेजिंग और मार्केटिंग (विपणन) के लिए विभिन्न प्रक्रिया की समुचित व्यवस्था की गई है। मझे आशा है कि हमारे पाठकगण इस अंक को पढ़कर उत्सुक और जागरूक होंगे और झारखण्ड राज्य में डेयरी व्यवसाय (दुग्ध व्यवसाय) तथा डेयरी पशुपालकों की उन्नति व समृद्धि में अपना भरपूर योगदान देंगे।

प्रबंध निदेशक
झारखण्ड मिल्क फेडरेशन

एक सहकारी संगठन के रूप में झारखण्ड मिल्क फेडरेशन हमेशा अपने उत्पादक सदस्यों को उनके द्वारा उत्पादित दूध के लिए बाजार की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायक रहा है। इस प्रतिबद्धता को पूरा करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वो झारखण्ड के उपभोक्ताओं के बीच मेधा को एक पसंदीदा ब्रांड के रूप में स्थापित करे। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में झारखण्ड मिल्क फेडरेशन (जेएमएफ) की बिक्री और विपणन टीम पहले से स्थापित प्रतिस्पर्धी दूध कंपनियों के साथ बाजार में अपनी छवि राज्य के स्थानिक ब्रांड के रूप में स्थापित करने के लिए अथक प्रयास कर रही है। पिछले साढ़े चार वर्षों में मेधा दूध की बिक्री प्रतिदिन 12000 लीटर से प्रतिदिन 85000 लीटर तक बढ़ी है। दूध के अलावा हम विभिन्न दूध उत्पादों जैसे कि दही, पनीर, घी, लस्सी, मिस्टी दही इत्यादि की बिक्री कर रहे हैं। झारखंड की आम जनसंख्या में विटामिन ए और डी की कमी को ध्यान में रखते हुए, हम विटामिन ए और डी से युक्त फोर्टीफाईड दूध भी बेच रहे हैं।

झारखंड में दूध और दुग्ध उत्पादों के विपणन के अलावा, हम ग्रामीण विद्युतीकरण निगम लिमिटेड और बोकारो पावर सप्लाई कंपनी (पी) लिमिटेड के समर्थन से लातेहार और बोकारो जिलों में लगभग 13,000 स्कूली बच्चों को स्वादयुक्त दूध (Flavoured Milk) की आपूर्ति भी कर रहे हैं। आनेवाले दिनों में, राज्य सरकार के समर्थन से हम इस योजना को राज्य के अन्य जिलों के स्कूली बच्चों को स्वादयुक्त दूध (Flavoured Milk) उपलब्ध कराने की दिशा में कदम उठायेंगे।

शहरी क्षेत्रों में बिक्री के अलावा हम झारखंड के ग्रामीण इलाकों में मेधा दूध और दुग्ध उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए हमारे दुग्ध मित्रों को ग्रामीण वितरक होने के लिए भी प्रोत्साहित कर रहे हैं।

हमारे ब्रांड के प्रचार गतिविधियों के एक हिस्से के रूप में हम लगातार हमारे उपभोक्ताओं के साथ उपलब्ध विभिन्न मंचों के माध्यम से जुड़े रहते हैं। हम स्कूल के बच्चों को होटवार, रांची में हमारे आर्ट-ऑफ-स्टेट डेयरी प्लांट का भ्रमण करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। डेयरी उद्योग और जेएमएफ की गतिविधियों के बारे में और जानने के लिए अभी तक लगभग 4000 स्कूल के बच्चे मेधा डेयरी का भ्रमण कर चुके है।

झारखण्ड के ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों से उपभोक्ताओं तक

ग्रामीण जनसमूहों की जागरूकता हेतु-

ठण्ड/शीत लहरी/कुहासा से बचाव के उपाय -

मनुष्य के सम्बन्ध में

1. अत्यधिक ठण्ड से बचने के लिए आवश्यक गर्म कपड़ों का इस्तेमाल करे जैसे- स्वेटर, मफलर, टोपी, दस्ताने एवं मोजे। बच्चों एवं बूढों को टोपी एवं मोजे अवश्य पहनाये।
2. शरीर को सूखा रखें, गीले कपड़े तुरंत बदले अन्यथा ये आपके शरीर को नुकसान पंहुचा सकता है।
3. घने कुहासे एवं बारिश में गाड़ी न चलायें। अतिआवश्यक होने पर फॉग लाइट जलाकर, धीमी गति से सावधानीपूर्वक गाड़ी चलायें।
4. सरकार द्वारा वितरित किये जा रहे कम्बल एवं गर्म कपड़ों की मदद लें।
5. जलावन की लकड़ियाँ और पर्याप्त गर्म कपड़ों के साथ "आपातकालीन मेडिकल कीट" हमेशा तैयार रखें एवं यथासंभव विशेषकर रात्रि में बाहर जाना कम कर दें।

ध्यान देने योग्य बातें -

- अगर आप कोयले की अंगीठी/मिट्टी तेल का चूल्हा आदि का प्रयोग करते है तो सावधान रहे एवं अपने कमरे को हवादार रखें ताकि जहरीले धुंए से नुकसान न ही। साथ ही इस बात का भी ध्यान रखें कि अंगीठी/चूल्हा जलाकर कदापि न सोयें।
- हीटर/अलाव आदि का प्रयोग करते समय इस बात का ध्यान दे कि इसके तीन फिट के घेरे में किसी भी प्रकार का पर्दा, फर्नीचर, छत अथवा पालतू जानवर आदि न हों।
- ठण्ड से बचने के लिए लोग कुछ विद्युत उपकरणों जैसे- गीजर, हीटर, ब्लोअर आदि का प्रयोग करते है जिससे शार्ट-सर्किट द्वारा घरों में आग लगने की संभावना बढ़ जाती है। अतः इन उपकरणों के इस्तेमाल से पहले घर का वायरिंग की जाँच करा ले। साथ ही उपकरणों की गुणवत्ता एवं क्रियाशीलता को अच्छी तरह से परख लें।
- विषम परिस्थितियों अथवा अत्यधिक सर्दियों के लिए इंधन बचा कर रखें।

मवेशी अथवा पालतू जानवरों के सम्बन्ध में -

जानवरों को रात में खुले आकाश अथवा पेड़ के नीचे नही रखें बल्कि उन्हें छत के नीचे रखकर बोरा अथवा पुराने कम्बल से ढके। रात में आग जलाये एवं उनके बैठने की जगह पर पुआल अथवा रबर मैट का इस्तेमाल करें।

कृषि के सम्बन्ध में -

ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक ठण्ड/ पाला से फसल को बचाने के लिए आवश्यक उपाय करें जैसे सिंचाई/ बाड़ लगाना, फसल को ढकना इत्यादि।

नोट- किसी भी आपातकालीन स्थिति में पुलिस सहायता हेतु 100, अग्नि शमन सहायता हेतु 101, एम्बुलेंस सहायता हेतु 102/108 पर संपर्क करें।

सर्दी एवं खांसी से बचने के घरेलु उपचार-

सामग्री

2 पान का पत्ता, एक मुट्ठी मुनगा/सहजन (मोरिंगा) का पत्ता, 5-6 पीसी हुई गोल मिर्च/काली मिर्च, 5 तुलसी पत्ता, साफ पीने योग्य पानी

पान पत्ता

गोल मिर्च/काली मिर्च

तुलसी पत्ता

मुनगा/सहजन (मोरिंगा) का पत्ता

बनाने की विधि

एक ग्लास पानी (100 मि.ली) को उबालें। फिर इस उबले हुए पानी में ऊपर दी हुई सभी सामग्री को डाल कर पांच मिनट के लिए ढककर छोड़ दें। अब इसे चाय छननी मदद से छान लें और थर्मस में डाल दें ताकि ये गर्म रहे।

उपयोग करने की विधि

पन्द्रह मिनट के अन्तराल पर थोड़ा- थोड़ा पियें।

भारत के वैश्विक टीकाकरण कार्यक्रम के तहत दी जाने वाली मुफ्त टीकाएं-

बच्चों के लिए-

जन्म के समय- बी.सी.जी. (बेसिलस काल्मेट्टे गुएरिन), पोलियो (मुहँ से पिलाई जाने वाली) और हेपेटाइटिस B टीकाये।

6 से 14 सप्ताह पर- पेंटावैलेन्ट की 3 खुराक, पोलियो (मुहँ से पिलाई जाने वाली एवं सुई के माध्यम दी जाने वाली)

9 से 18 महीने पर - खसरा या संयुक्त खसरा- रूबेला टीका

18 महीने पर - डी.पी.टी और ओरल पोलियो बूस्टर

6 से 14 सप्ताह - रोटा वायरस की 3 खुराक, न्यूमो कोक्कल संयुग्म टीका और उन जगहों के लिए जहाँ ये नियमित रूप से कार्यक्रम में लिए जा रहे उनके लिए जापानीज इन्सेफेलाइटिस टीका।

गर्भवती महिलाओं के लिए -

टिटनेस टॉक्साइड

जे.एम.एफ द्वारा विगत तिमाही में किये गये महत्वपूर्ण कार्य

8 सितंबर 2018 को एन.डी.डी.बी. आणंद में आयोजित एन.सी.डी.एफ. आई. ई-मार्केट पुरस्कार 2017-18 के लिए जे.एम.एफ. को सक्रिय प्रतिभागिता हेतु पुरस्कृत किया गया।

जे.एम.एफ. द्वारा JIASOWA दिवाली मेला 2018 में प्रतिभागिता की गई। इस मोराबादी मेले में मेधा डेरी के दो स्टाल्स लगाए गए एवं इसके दवारा जनता को दूध संकलन से लेकर उसकी जांच, गुणवत्ता, उत्पादकता वृद्धि, प्रसंस्करण और विपणन संबंधी जानकारी प्रदान की गई।

FSSAI स्वस्थ भारत यात्रा जे.एम.एफ. दवारा FSSAI एवं TATA TRUSTS के साथ मिलकर स्वस्थ भारत यात्रा में प्रतिभागिता की गई। इस यात्रा का आयोजन फोर्टिफाईड उत्पादों के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से किया गया।

बाईका-थोन जे.एम.एफ. दवारा जागरण ग्रुप के साथ मिलकर राँची एवं जमशेदपुर में आयोजित बाईका-थोन में प्रतिभागिता की गई। इस कार्यक्रम के माध्यम से उपभोक्ताओं को साईकिल चलाने एवं रोजाना दूध पीने के लाभ से अवगत कराया गया।

झारखण्ड मिल्क फेडरेशन द्वारा 26 नवम्बर 2018 को राँची एवं देवघर जिला में राष्ट्रीय दुग्ध दिवस मनाया गया।

राज्य सरकार द्वारा आयोजित वैश्विक कृषि एवं खाद्य शिखर सम्मलेन (Global Agriculture & Food Summit) में जे.एम.एफ. ने एक प्रतिभागी के रूप में अपना प्रदर्शनी स्टाल लगाया। कार्यक्रम के दौरान स्टाल पर भ्रमण के लिए आये लोगो को जे.एम.एफ. के अंतर्गत चलने वाले विभिन्न क्रियाकलापों एवं गतिविधियों जैसे दूध के संकलन के साथ ही साथ दूध के गुणवत्ता की जाँच, कैटलफीड, मिनरल मिक्सचर एवं हरा चारा का दुधारू पशुओं के लिए महत्व एवं दूध की विभिन्न प्रसंस्करण एवं विपणन सम्बन्धी जानकारियाँ दी गयी।

Published by : Jharkhand State Co-operative Milk Producers' Federation Ltd.
Ranchi-834004, Tel: 0651-2443055, Website : www.jmf.coop

1026_(02-18) Annapurna Press 0651-2331800
e-mail : appranchi.1969@gmail.com

झारखण्ड के ग्रामीण दुग्ध उत्पादकों से उपभोक्ताओं तक